

विचार बिन्दु

मनुष्य जीवन अनुभव का शास्त्र है। -विनोबा

शहरी हरियाली में मृत्यु दर घटाने का रहस्य छुपा है

युविद संहिता का एक सूत्र है: हरितमनुच्ययः शुभहेतुरेषः स्वस्थं शरीरं मनसश्च शान्तिम्। विनाशयत्या शुभदास्तथाः, सुजल्युर्दीर्घमथो समृद्धिम्। तात्पर्य यह है कि हरियाली का विस्तार शुभ का कारण है। यह शरीर को स्वस्थ बनाती है और मन को शांति प्रदान करती है। यह शीघ्र ही रोगों और अन्य कष्टों को नष्ट करती है और दीर्घायु तथा समृद्धि को उत्पन्न करती है। आज की चर्चा इसके वैज्ञानिक विश्लेषण पर है। कभी आपने सोचा है कि हमारे आसपास के हर-पेड़, पार्क और हरियाली हमें कैसे जिंदा रख सकती है? यह कहानी एक ऐसे सफर की है जहां विज्ञान और प्रकृति के बीच की अनेकही डोर ने मानव जीवन को न केवल लंबा किया है, बल्कि इसे शांत और स्वस्थ भी बनाया है। कल्पना कीजिए, एक ऐसा दिन जब शहरों में हरियाली का नामो-निशान मिट चुका हो। हर तरफ केवल कंक्रीट का जंगल, धूल, धुआं और बेचैनी। यही तो आधुनिक शहरीकरण की सच्चाई है, जहां हरियाली कम होती जा रही है। लेकिन विज्ञान ने हमें बताया है कि यह कहानी किसी त्रासदी की ओर बढ़ सकती है। शोध बताते हैं कि जो लोग हरियाली के पास रहते हैं, उनकी मृत्यु दर कम होती है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की कहानी है।

एक बुढ़ी महिला को कहानी लीजिए, जो शहरी कोलाहल में अपने घर को खिडकी से केवल कंक्रीट की इमारतें देखती है। वह अकेली रहती है, उसका स्वास्थ्य खराब है, और वह अक्सर अस्पताल जाती है। लेकिन एक दिन, उसकी बेटी उसे एक ऐसे घर में ले जाती है, जहां खिडकी के बाहर एक बड़ा बगीचा है। कुछ महीनों में, उसकी मानसिक स्थिति में सुधार होता है, उसकी हृदय गति सामान्य हो जाती है और वह पहले से बेहतर महसूस करने लगती है। यह कहानी केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक है। अध्ययन बताते हैं कि हरियाली हृदय संबंधी बीमारियों, मानसिक तनाव, और श्वसन तंत्र पर अद्भुत प्रभाव डालती है।

हरियाली का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह सामुदायिक स्तर पर भी लाभकारी है। जरा सोचिए, एक ऐसा इलाका जहां हरियाली की कमी हो, वहां अपराध दर अधिक होती है। लेकिन जैसे ही एक पार्क का निर्माण होता है, बच्चों के लिए खेलने की जगह मिलती है, वयस्कों के लिए टहलने के रास्ते बनते हैं, क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। यह केवल एक सामाजिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण का विस्तार है।

क्या हरियाली के बिना भी जीवन संभव है? वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो नहीं। चीन में एक अनोखा अध्ययन बताता है कि अत्यधिक ठंड या गर्मी से होने वाली मौतों को हरियाली नाटकीय रूप से कम कर सकती है। यह शोध स्पष्ट करता है कि हरियाली केवल सौंदर्य का स्रोत नहीं है, बल्कि यह जीवन रक्षक भी है। हरियाली केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और दीर्घायु का आधार भी बन सकती है।

दक्षिण एशियाई देशों में हरियाली के महत्व को समझना और भी आवश्यक हो जाता है। शहरीकरण के कारण हरियाली के क्षेत्र सीमित हो गए हैं, जिससे शारीरिक गतिविधियों में कमी और संबंधित बीमारियाँ, जैसे मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप, में वृद्धि हुई है। हरियाली को उपयोगी बनाने के लिए डिजाइन में सुधार आवश्यक है। उदाहरण के लिए, महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित और सुलभ पार्क बनाना, जहां वे बिना किसी डर के टहल सकें।

कम आय वाले और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए हरियाली का सकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। गरीब और वंचित समुदाय, जिनके पास स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य संसाधनों तक सीमित पहुंच होती है, हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। यह न केवल स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने में मदद करता है, बल्कि सामाजिक समानता को बढ़ावा देने का भी एक प्रभावी साधन है।

क्या आप जानते हैं कि ब्लू स्पेस (जैसे तालाब, झील) का भी स्वास्थ्य पर प्रभाव हो सकता है? ब्लू और ग्रीन स्पेस का सम्मिलित प्रभाव श्वसन और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर को कम कर सकता है। शोध स्पष्ट करता है कि पानी और हरियाली के बीच का यह जुड़ाव हमारी सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब जरा एक छोटे लड़के की कल्पना करें, जो बड़े शहर में हरियाली के बिना पला-बढ़ा है। उसकी श्वसन समस्याएं बढ़ जाती हैं, और वह अक्सर अस्पताल जाता है। लेकिन जब वह एक गांव में अपने दादा-दादी के पास जाता है, जहां हर तरफ पेड़ और खेत हैं, तो उसका स्वास्थ्य बेहतर हो जाता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि एक सच्चाई है। अध्ययनों ने दिखाया है कि हरियाली केवल बीमारी को रोकने का साधन नहीं है, बल्कि यह पुनर्वास और उपचार का भी एक प्रभावी माध्यम हो सकती है।

नीचे प्रस्तुत शोध के आंकड़े और उनके निष्कर्षों में हरियाली और स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर व्यापक और समग्र विवरण देखा जा सकता है।

अल्फानो और साथियों (Environmental Research : 216, 2023) ने 538 नमूनों पर अध्ययन किया। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान माताओं के हरियाली के संपर्क का नवजात शिशुओं के डीएनए मिथाइलेशन पर प्रभाव देखा। 1.47 डिफरेंशियली मिथाइलेटेड क्षेत्र की पहचान की गई, जिनमें से 85 क्षेत्रों ने प्रदूषण, सड़क की दूरी, शहरीकरण और पड़ोस की आय जैसे कारकों के बावजूद भी महत्वपूर्ण परिणाम दिखाए। यह अध्ययन हरियाली और आनुवंशिक प्रभावों के बीच संबंध को रेखांकित करता है।

तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार, वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांत किया जा सकता है।

कामी-बर्नॉल और साथियों (Health and Place : 82, 2023) ने हरियाली और टाइप-2 मधुमेह के बीच संबंध पर 13 कोहोर्ट अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 1,700 से 19,22,545 प्रतिभागी शामिल थे। उन्होंने पाया कि जिन व्यक्तियों को अधिक हरियाली का संपर्क मिला, उनमें टाइप-2 मधुमेह की घटनाएं कम थीं। डिमोक्रीपोल और साथियों (Frontiers in Epidemiology, 3, 2023) ने यूरोप के नौ देशों में 204 मिलियन व्यक्ति-वर्ष और 3.1 मिलियन मौतों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि पी.एम.2.5, नाइट्रोजन के आक्साइड और ब्लैक कार्बन के संपर्क से मृत्यु दर

बढ़ती है, लेकिन हरियाली का उच्च स्तर इन नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकता है।

लियू और साथियों (Environmental Pollution, 301, 2022) ने 53 अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 18 देशों के 100 मिलियन व्यक्ति शामिल थे। उनका मेटा-विश्लेषण दिखाता है कि एनडीवीआई (हरियाली का माप) में 0.1 की वृद्धि से कार्डियोवैस्कुलर मृत्यु दर में 2-3 प्रतिशत की कमी होती है।

अधिकारी और साथियों (The Lancet Planetary Health, 4, 135-136, 2020) ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में हरियाली और स्वास्थ्य का अध्ययन किया। उन्होंने यह पाया कि शहरीकरण के कारण हरियाली की कमी मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को बढ़ाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि हरियाली के डिजाइन और उसकी उपलब्धता में सुधार के लिए नीतिगत प्रयासों की आवश्यकता है।

बट्टे और साथियों (Public Health, 200:91-98, 2021) ने 13 एक्सपोजर-रिस्पॉन्स फंक्शनका उपयोग किया और निष्कर्ष निकाला कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर के जोखिम अनुपात को 0.96 तक कम कर सकती है।

कुआ और ली (Perspectives in Public Health, 141: 342-353, 2021) ने 20 अध्ययनों (133,363 प्रतिभागी और 202 मिलियन व्यक्ति) का विश्लेषण किया और पाया कि हरियाली का अधिक संपर्क सामान्य मृत्यु दर को 3 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

झोट और साथियों (Sustainable Cities and Society, 116, 2024) ने 21 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि ब्लू और ग्रीन स्पेस का संयुक्त प्रभाव श्वसन और हृदय संबंधी मृत्यु दर को कम करता है।

ही और साथियों (Science of the Total Environment, 851, 2022) ने 138,749 स्ट्रोक से संबंधित मौतों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि हरियाली ने ठंड और गर्मी से संबंधित स्ट्रोक मृत्यु दर को कम किया। उच्च एनडीवीआई विशेष रूप से गर्मी के प्रभाव को कम करने में सहायता की।

रिगोलोन और साथियों (International Journal of Environmental Research and Public Health, 18: 1-29, 2021) ने 90 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि गरीब और वंचित समुदाय हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। हरियाली इन समुदायों में स्वास्थ्य असमानताओं को कम करती है।

रोजंस-एण्डा और साथियों (The Lancet Planetary Health, 3:469-477, 2019) ने 8.3 मिलियन प्रतिभागियों पर नौ अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर को 4 प्रतिशत तक कम कर सकती है।

मिथ्य और साथियों (Cities, 119, 2021) ने ब्लू स्पेस के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए पाया कि ब्लू स्पेस का संपर्क मोटापा और सामान्य मृत्यु दर में सुधार करता है।

युआन और साथियों (Aging Clinical and Experimental Research, 33:1783-1797, 2021) ने बुजुर्ग व्यक्तियों पर हरियाली के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि हरियाली का संपर्क सामान्य और स्ट्रोक मृत्यु दर को कम करता है।

इसी प्रकार जरे सखान्दि इत्यादि (Science of the Total Environment, 838, 156180, 2022) द्वारा हरियाली और कैन्सर के संबंध पर 18 अध्ययनों का मेटा-विश्लेषण बताया है कि फेफड़ों और अन्य प्रकार के कैन्सर पर हरियाली के सकारात्मक प्रभाव के संकेत मिले।

इन शोधों ने हरियाली के व्यापक लाभों को दर्शाया है, जिसमें मृत्यु दर में कमी, स्वास्थ्य सुधार, और सामाजिक असमानताओं को कम करने की क्षमता शामिल है। यह स्पष्ट है कि हरियाली मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

लेकिन हम इस ज्ञान का उपयोग कैसे कर सकते हैं? व्यक्तिगत स्तर पर हम अपने आस-पास अधिक से अधिक पौधे लगा सकते हैं। पड़ोस के पार्क में नियमित रूप से समय बिताना हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। जैसा कि युजुविद संहिता में कहा गया है: वनप्रविश्यप्रचलन्ति ये ते, धृतिवन्नेन्द्रेह्ये सदा योः तनुः सुदुर्ध्यामनसः प्रसादं, विद्यायसेव्यशमयेत्यथाश्रमः। तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार, वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांत किया जा सकता है।

बच्चों को प्रकृति के संपर्क में लाना, उन्हें पेड़ों और हरियाली के महत्व के बारे में सिखाना भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि हरियाली को शहरी योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। पार्क का निर्माण, सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली बढ़ाना, और ब्लू-ग्रीन स्पेस का प्रबंधन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। इसके साथ ही, सामाजिक असमानता को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जो गरीब और वंचित समुदायों के लिए अधिक सुलभ हों।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज, और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आधिकारिक, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है। आइए, इसे संजोएं और संरक्षित करें।

-अतिथि सम्पादक,

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय

(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

साइबर सुरक्षा: बढ़ते साइबर खतरों से निपटने के लिए आवश्यक कौशल और तकनीक



प्रो. अशोक कुमार

आज के डिजिटल युग में, साइबर सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। हर दिन नए-नए साइबर खतरे उभर रहे हैं, जो व्यक्तिगत, व्यावसायिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। साइबर सुरक्षा क्या है? :-

साइबर सुरक्षा डिजिटल सिस्टम, नेटवर्क और डेटा को अनधिकृत पहुंच, उपयोग, खुलासा, विकृति, विनाश या अवरोध से बचाने के लिए आवश्यक उपायों और प्रक्रियाओं का समूह है।

बढ़ते साइबर खतरे साइबर खतरे लगातार बदलते रहते हैं और अधिक जटिल होते जा रहे हैं। कुछ प्रमुख साइबर खतरे निम्नलिखित हैं:

मैलवेयर: दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर जो सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकता है या डेटा चोरी कर सकता है।

फिशिंग: धोखेबाजों द्वारा संवेदनशील जानकारी प्राप्त करने के लिए उपयोग की जाने वाली एक तकनीक।

रैसमवेयर: डेटा को एन्क्रिप्ट करने और फिर उसे वापस पाने के लिए फिरती मांगने वाला एक प्रकार का

नेटवर्क। डेनियल-ऑफ-सर्विस हमले: किसी सिस्टम या नेटवर्क को अस्थायी रूप से या स्थायी रूप से अनुपयोगी बनाने के लिए किए जाने वाले हमले।

सोशल इंजीनियरिंग: लोगों को धोखे में डालकर संवेदनशील जानकारी प्राप्त करने की एक तकनीक।

साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक कौशल

साइबर सुरक्षा पेशेवरों को निम्नलिखित कौशल होने चाहिए:-

तकनीकी कौशल: नेटवर्किंग, ऑपरेटिंग सिस्टम, डेटाबेस, प्रोग्रामिंग और सुरक्षा उपकरणों का ज्ञान।

समस्या सुलझाने की क्षमता: जटिल सुरक्षा समस्याओं का विश्लेषण करने और समाधान खोजने की क्षमता।

संचार कौशल: तकनीकी जानकारी को गैर-तकनीकी लोगों को

समझाने की क्षमता। नैतिक हैकिंग: सुरक्षा कमजोरियों का पता लगाने के लिए हैकिंग तकनीकों का उपयोग करने की क्षमता।

अद्यतन रहने की क्षमता: साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में लगातार नए खतरे और तकनीकें उभरती रहती हैं, इसलिए एक साइबर सुरक्षा पेशेवर को हमेशा अद्यतन रहना चाहिए।

साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक तकनीकें

साइबर सुरक्षा के लिए निम्नलिखित तकनीकों का उपयोग किया जाता है:-

फ़ायरवॉल: अनधिकृत पहुंच को रोकने के लिए नेटवर्क ट्रैफिक को फ़िल्टर करता है।

एंटीवायरस: सॉफ्टवेयर: मैलवेयर से बचाने में मदद करता है।

इंटरनेट डिटेक्शन सिस्टम :

नेटवर्क पर हमलों का पता लगाता है। इन्फ्रिप्शन: डेटा को सुरक्षित करने के लिए इसे कोड में परिवर्तित करता है।

बैकअप: डेटा हानि की स्थिति में डेटा को पुनर्स्थापित करने के लिए।

निष्कर्ष:- साइबर सुरक्षा एक तेजी से विकसित होता हुआ क्षेत्र है। साइबर खतरों से निपटने के लिए, संगठनों को मजबूत साइबर सुरक्षा रणनीतियां लागू करनी चाहिए और कुशल साइबर सुरक्षा पेशेवरों को नियुक्त करना चाहिए। व्यक्तियों को भी अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक होना चाहिए।

-प्रो. अशोक कुमार, पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय

राव शिवराजपाल सिंह की पुस्तक का विमोचन

केंद्रीय मंत्री यादव ने "मनोरंजक प्रेरणास्पद बाल कहानियां" पुस्तक का विमोचन किया



शिवराजपाल सिंह की "मनोरंजक प्रेरणास्पद बाल कहानियां" पुस्तक का केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने विमोचन किया।

जयपुर। राव शिवराजपाल सिंह की पुस्तक "मनोरंजक प्रेरणास्पद बाल कहानियां" का केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा पर्यावरण भवन स्थित कार्यालय में विमोचन किया।

इस अवसर पर मंत्री भूपेंद्र यादव ने नई पीढ़ी के बाल मनोविज्ञान पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाली

कहानियों की आवश्यकता पर अपनी राय व्यक्त की। प्रोग्रेशन कैलेंडर के अनुसार आंग्ल नव वर्ष के अवसर पर करौली जिले के इनायती गांव के निवासी वरिष्ठ साहित्यकार राव शिवराजपाल सिंह की भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में भेंट हुई। मुलाकात में मंत्री यादव ने करौली जिले

के जल संसाधनों, वन एवं पर्यावरण पर भी चर्चा कर रूचि दिखाई। इस अवसर पर रतलाम भाजपा के मंत्री कीर्ति शरण सिंह और मध्यप्रदेश भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य निमिष भी उपस्थित थे। उनसे भी मंत्री भूपेंद्र यादव ने स्थानीय राजनीति और जल विषयक मुद्दों पर चर्चा की। मंत्री भूपेंद्र यादव ने राव की पुस्तक को नई पीढ़ी के बच्चों के लिए बहुत प्रेरणास्पद बताया।

ब्रेन ट्यूमर पीड़ित अध्यापिका को उच्च न्यायालय ने राहत दी

जोधपुर, (कांस)। राजस्थान उच्च न्यायालय की एकलपीठ ने न्यायाधीश अरुण मोगा ने ब्रेन ट्यूमर से ग्रस्त अध्यापिका ग्रेड तृतीय लेवल-2 को राहत देते हुए उसके 21 दिसम्बर 2024 के समायोजन आदेश पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं।

कमला राजपुरोहित वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डोली राजपुरा जिला बालोतरा में कार्यरत हैं। शिक्षा विभाग में कार्यरत अध्यापकों को विभाग द्वारा अधिशेष एवं समायोजन के संदर्भ में 14 नवम्बर 2024 को दिशा निर्देश जारी कर अध्यापकों का समायोजन किया गया। समायोजन करने के दिशा निर्देशों में यह स्पष्ट रूप से अंकित था कि गंभीर

बीमारी से ग्रस्त अध्यापकों को जिन्हें किडनी, कैन्सर, गुदा प्रत्यारोपण, हृदय रोग व ब्रेन ट्यूमर है, उन्हें इस समायोजन की प्रक्रिया से अलग रखा जायेगा व इनके स्थान पर इनसे कनिष्ठ अध्यापकों का समायोजन किया जायेगा। विभाग द्वारा स्पष्ट दिशा निर्देश के बावजूद भी जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा, बालोतरा द्वारा 7 दिसम्बर 2024 को उसका स्थानान्तरण वर्तमान विद्यालय से राजकीय उच्च माध्यमिक, पट्टाक खुर्द कर दिया गया। विभाग के आदेश से व्यथित होकर उसने एक परिवेदन प्रार्थनी के अधिवक्ता का यह तर्क था कि शिक्षा विभाग द्वारा गंभीर रोग से ग्रस्त कर्मचारियों के संदर्भ में स्पष्ट दिशा निर्देश जारी कर यह स्पष्ट किया गया है कि गंभीर रोग से ग्रस्त कर्मचारियों को अधिशेष व इसके

दिसम्बर 2024 में संशोधन करते हुए उसे पहले के स्थान से भी अधिक दूर राजकीय प्राथमिक विद्यालय, भीलों की ढाणी ट्रांसफर कर दिया गया जो कि पूर्व विद्यालय से भी 50 किलोमीटर दूर है। विभाग के इस कृत्य से व्यथित होकर प्रार्थनी ने अपने अधिवक्ता प्रमोद बोहरा के माध्यम से एक रिट याचिका उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की। उच्च न्यायालय के समक्ष प्रार्थनी के अधिवक्ता का यह तर्क था कि शिक्षा विभाग द्वारा गंभीर रोग से ग्रस्त कर्मचारियों के संदर्भ में स्पष्ट दिशा निर्देश जारी कर यह स्पष्ट किया गया है कि गंभीर रोग से ग्रस्त कर्मचारियों को अधिशेष व इसके

पश्चात् समायोजन नहीं किया जायेगा। इसके बावजूद भी प्रार्थनी जो कि ब्रेन ट्यूमर कि गंभीर बीमारी से लम्बे समय से ग्रस्त है उसको अधिशेष घोषित कर समायोजित किया गया है जो अनुचित है, तथा उसके परिवेदन प्रस्तुत करने पर उसे और अधिक दूर समायोजित किया गया जो विभाग के दिशा निर्देशों व मानवीयता के विरुद्ध है। प्रार्थनी के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय ने प्रार्थनी की रिट याचिका को विचारार्थ अंतरिम रूप से स्वीकार करते हुए प्राथमिक शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया व प्राथमिक शिक्षा विभाग के आदेश 21 दिसम्बर 2024 पर रोक लगा दी।

राशिफल रविवार 5 जनवरी, 2025



पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, रविवार, विक्रम संवत् 2081, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 8:18 तक, व्यतिपात योग प्रातः 7:32 तक, कौलव करण प्रातः 9:09 तक, चन्द्रमा आज दिन 2:35 से ग्रीन राशि में संचार करेगा।
म स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरु-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।
आज रवियोग रात्रि 6:18 तक है। त्रिपुष्कर योग रात्रि 8:16 से रात्रि 8:18 तक है। सर्वार्थ सिद्धि और राजयोग रात्रि 8:18 से सूर्योदय तक है।
आज अनुरूपा छठ, पंचक, व्यतिपात पुण्य है।
श्रेष्ठ चौघडिया: चर 8:39 से 9:56 तक, लाभ-अमृत 9:56 से 12:32 तक, शुभ 1:50 से 3:08 तक।
राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:43

मेघ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी।

वृष
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होगा। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं। आज अटक के हुए कार्य बनने लेंगे। दिन के मध्यान्ध पश्चात आवश्यक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ध पश्चात अटक हुए कार्य बनने लेंगे। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ध पश्चात नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

कन्या
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ध पश्चात परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

तुला
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद दूर होंगे। आज परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
आर्थिक कार्यों से अटके हुए कार्य प्राप्त होंगे। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। दिन के मध्यान्ध पश्चात नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
घर-गृहस्थी में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। आज परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनल कार्यों में खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ध पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।